प्रभात खबर

पटना, शुक्रवार, 28 सितंबर, 2012

लाइफ@पटना

जर्नलिज्म जिंदगी का

धारा °C
max 37.7
min 26.1

हो सकता है कि अब तक आप इस बात से अनजान हों कि किस्मत सिर्फ लोगों की ही नहीं, बल्कि घरों और ऑफिसों की भी होती है. पटना में जन्मी और मुंबई में रहनेवाली नीता सिन्हा ने न सिर्फ घर, ऑफिस व अन्य स्थान की जन्मपत्री तैयार करनेवाले खास विज्ञान को खोजा, बल्कि इसे अपना कैरियर भी बनाया. मुंबई की मशहूर एस्ट्रो-आर्किटेक्ट नीता सिन्हा अपने इस विज्ञान से अमिताभ बच्चन, अक्षय कुमार और शाहरुख खान जैसी बॉलीवुड की कई बड़ी हस्तियों के साथ-साथ गोदरेज, अंबानी और पुंज जैसे जाने-माने उद्योगपतियों के अलावा प्रमुख व्यवसायी, बिल्डर, फैशन डिजाइनर आदि के साथ अन्य कई लोगों को लाभ पहुंचा चुकी हैं. हाल में उन्होंने एस्ट्रो-आर्किटेक्चर विज्ञान से जुड़ी कुछ खास बातें लाइफ@पटना के संग साझा कीं. साथ ही यह भी बताया कि किस तरह से लोग इस विज्ञान से जुड़ कर अपने जीवन में परिवर्तन कर सकते हैं और अपनी कठिन परिस्थितियों में सुधार ला सकते हैं. पेश हैं उनसे हुई बातचीत के प्रमुख अंश...

जन्मपत्री आपके घर की

नीता जी, दूसरों को खुशियां देने वाली महिला हैं. मैंने अपने जितने भी दोस्तों और परिचितों को उनके पास भेजा है, उन सभी ने मुझे बताया कि उन्हें नीता की सलाह से बहुत फायदा हुआ है.

- करन जौहर
डायरेक्टर, प्रोड्यूसर

नीता जी, एस्ट्रो-आर्किटेक्चर है क्या?

साधारण शब्दों में कहूं, तो यह ज्योतिष और वास्तुकला के आयामों का संयोजन है, जो किसी भी जगह की ऊर्जा को संतुलित करने में अहम भूमिका निभाता है. जैसा कि आप जानते हैं कि ज्योतिष एक बहुत ही व्यक्तिगत और गणनात्मक विज्ञान है, जो हर व्यक्ति के अपने जन्मस्थान व जन्म के समय पर आधारित होता है. मैंने इस ज्ञान के प्रयोग से किसी भी क्षेत्र के सकारात्मक और नकारात्मक पहलू को समझ कर उसका ज्योतिष चार्ट तैयार करना सीखा है. इस खास तरह की गणना के आधार पर मैं किसी भी क्षेत्र में रहने वाले व्यक्ति के व्यवसायिक और व्यक्तिगत जीवन को प्रभावित करने वाली नकारात्मक ऊर्जा को बिना उस क्षेत्र की बनावट में परिवर्तन किये सकारात्मक ऊर्जा में परिवर्तित करने का प्रयत्न करती हूं. इसके लिए मैं आइने, रंग, झरने, पौधे या इसी प्रकार की अन्य साधारण चीजों का प्रयोग करती हूं. फेंग शुई या वास्तु की तरह एस्ट्रो-आर्किटेक्चर के कोई निर्धारित नियम नहीं हैं. यह हर व्यक्ति की अपनी आवश्यकताओं पर आधारित होता है.

आप इस विज्ञान के करीब कैसे आयीं?

(हंसते हुए) जहां तक मैं जानती हूं, दुनिया में एस्ट्रो-आर्किटेक्चर विज्ञान का अध्ययन करनेवाली मैं अकेली ही हूं. अपने गुरु, मेंटर व प्रसिद्ध एस्ट्रोलॉजर और वास्तु विशेषज्ञ स्वर्गीय डॉ एलएन कुसुमा के मार्गदर्शन में मैंने इस विज्ञान की खोज की. हमने यह समझने का मिशन बनाया कि एक ही वास्तु और निर्देशों पर बना स्थान अलग-अलग व्यक्ति को अलग-अलग प्रकार से कैसे

प्रभावित करता है. ऊंची-ऊंची बिल्डिंगों के हर फ्लोर पर सभी फ्लैट्स और ऑफिस लगभग एक ही वास्तु और नक्शे के अनुसार बने होते हैं. फिर भी वो हर परिवार और फर्म को अलग-अलग प्रकार से प्रभावित करते हैं, इसीलिए उस एक बिल्डिंग में रहने वाले कुछ परिवार और ऑफिस अन्य की अपेक्षा ज्यादा खुशहाल रहते हैं और तरक्की करते हैं. शोध करने के बाद हम इस नतीजे पर पहुंचे कि हर घर का अपना भाग्य होता है. किसी भी जगह की ऊर्जा उस स्थान पर रहने वाले लोगों के स्वभाव और किस्मत को प्रभावित करती है.

कब और कैसी जगह के लिए एस्ट्रो-आर्किटेक्ट की सलाह लेनी चाहिए?

कभी भी और किसी भी तरह की जगह के लिए लोग एस्ट्रो-आर्किटेक्ट की सलाह ले सकते हैं. मेरे क्लाइंट्स किसी प्रकार की समस्या होने पर ही मुझे नहीं बुलाते, बल्कि अपने व्यवसायिक और व्यक्तिगत जीवन, शादी, बच्चे और कैरियर से जुड़े महत्वपूर्ण फैसले लेते वक्त भी मेरी सलाह लेते हैं. मैं उन्हें आवासीय और व्यवसायिक दोनों ही तरह के स्थानों के लिए सलाह देती हूं. मैं पूरी तरह से इस बात पर यकीन करती हूं कि आप कुछ साधारण और सस्ते तत्वों को घर या कार्यस्थल में शामिल करके अपनी सेहत, आर्थिक स्थिति, रिश्तों, शादी, सामंजस्य या बच्चों से संबंधित समस्याओं को दूर कर सकते हैं. लोगों को जो सबसे पहला प्रभाव नजर आता है, वह है उस स्थान में रहने वाले लोगों की सेहत में सुधार होना.

अब तक के सफर के बारे में कुछ बताएं?

अब तक का सफर काफी अच्छा रहा है. व्यवसायिक स्तर पर मुझे जीवन के सभी क्षेत्रों से जुड़े विशेष प्रकार के लोगों से मिलने का मौका मिला. उन्होंने अपनी परेशानियों को दूर करने के साथ मुझे इस विज्ञान को और करीब से जानने और इसके माध्यम से एक बेहतरीन कैरियर बनाने का मौका दिया. जब मैं खुद अपने उपायों के प्रभाव से लोगों के जीवन में सुधार आते हुए देखती हूं या लोग मुझे अपने जीवन में आनेवाले परिवर्तनों के बारे में बताते हैं, तो वाकई यह मेरे लिए काफी संतोषजनक होता है.

हमारे पाठक आपके क्लाइंट्स की लिस्ट में शामिल बड़ी हस्तियों के नाम और उनके साथ आपके काम करने के अनुभव को जानना चाहते हैं. उदाहरण के तौर पर आपने अमिताभ जी की मदद कैसे की?

जब अमित जी अपने कैरियर के मुश्किल दौर से गुजर रहे थे, यह वही वक्त था जब वे अपने पुराने घर 'प्रतीक्षा' से 'जलसा' में शिफ्ट हुए थे. अपनी स्थिति में सुधार के लिए वह पहले ही कई एस्ट्रोलॉजर्स और वास्तु विशेषज्ञों से सलाह ले चुके थे, पर लाभ नहीं मिल रहा था. इसी कारण मुझसे मिलने के लिए जरा भी उत्सुक नहीं थे. अमित जी के एक करीबी दोस्त ने उन्हें मुझसे मिलने की सलाह दी. वह मेरे भी अच्छे दोस्त थे. मैं उनका घर देखने गयी. जाते ही मैंने यह समझ लिया कि उनके नये घर का 'प्रवेश द्वार नकारात्मक क्षेत्र में है, जो उनके व्यवसायिक कैरियर को आगे नहीं बढ़ने दे रहा. मैंने अमित जी को बंगले का नाम बदल कर ऐसा नाम रखने की सलाह दी जिसकी शुरुआत 'ज' शब्द से होती हो. पहले अमित जी के मन में मेरी इस बात पर शंका पैदा हुई, लेकिन मेरा आत्मविश्वास देख कर वह इस परिवर्तन के लिए तैयार हो गये. उन्होंने अपने घर का नाम बदलकर 'जलसा' कर दिया. इस परिवर्तन के एक सप्ताह बाद ही उन्हें 'कौन बनेगा करोड़पति' शो करने का ऑफर मिल गया. अब वह कहीं भी इनवेस्ट करते हैं या अपने आवास स्थल में किसी भी तरह का परिवर्तन करने के बारे में सोचते हैं, तो एक बार मुझसे सलाह जरूर लेते हैं. जब उनका परिवार मेरा सम्मान करता है और मुझे रिस्पेक्ट देता है, तो मुझे बहुत ही अच्छा लगता है.

शाहरुख के बारे में कुछ बताएं?

हां, मैंने ही उन्हें उनके घर का नाम 'म' (मन्नत) शब्द और उनकी प्रोडक्शन कंपनी का नाम 'र' (रेड चिली) से रखने की सलाह दी थी.

आप घरेलू जीवन और काम दोनों को एक साथ कैसे मैनेज करती हैं?

वैसे, तो किसी भी महिला के लिए अपनी घरेलू जिम्मेवारियों और काम के बीच तालमेल बिठाना मुश्किल होता है, लेकिन वाकई में मैं अपने काम को बहुत इंज्वॉय करती हूं. मेरे लिए यह ताजगी का एक स्रोत है. मैं और मेरे पति साथ काम करते हैं. वे मेरे साथ क्लाइंट विजिट के लिए भी जाते हैं, मुझे खुशी होती है कि इस दौरान भी हमें एक-दूसरे के साथ अच्छा वक्त गुजारने का मौका मिल जाता है. मेरा पूरा परिवार मुझे और मेरे काम को सपोर्ट करता है. इसी के चलते मेरे लिए अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ में संतुलन बिठा पाना आसान हो जाता है.

ज्यादा से ज्यादा लोग आपकी इस विशेषता से लाभान्वित हों, इसके लिए कोई खास प्लानिंग भी करती हैं?

यह बहुत ही महत्वपूर्ण प्रश्न है. मेरे लिए हर जगह पर पहुंच पाना तो मुमकिन नहीं होता, इसलिए मैं लोगों को अपने घर का नक्शा या किसी भी निश्चित स्थान की आर्किटेक्चर ड्रॉइंग मेरे पास भेजने के लिए कहती हूं. इसका परिणाम भी बिल्कुल वैसा ही होता है, जैसा मेरे किसी जगह पर जाकर उसमें परिवर्तन करने का. मेरे मार्गदर्शन में मेरे दोनों बच्चों ने भी इस कला को सीखना और इसका अभ्यास करना शुरू कर दिया है. वे युवा हैं और उनके पास मेरी इस खोज को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार में आगे बढ़ाने के लिए कई नये आइडिया होते हैं. वे सेमिनार, वेबसाइट और सोशल मीडिया के जरिये से ज्यादा से ज्यादा लोगों में इस विज्ञान के प्रति जागरूकता फैलाने का प्रयत्न करते हैं. मेरे बच्चों ने ही मेरी वेबसाइट डिजाइन की है, जिसके माध्यम से यूजर्स आवास स्थान के नक्शे के साथ, अपने सवाल मुझे भेज सकते हैं.

क्या आप हमारे पाठकों को भी एस्ट्रो-आर्किटेक्चर से जुड़े टिप्स देना चाहेंगी?

मैं पाठकों को बताना चाहूंगी कि वे अपने घर या ऑफिस के मुख्य द्वार को हमेशा रौशन और साफ-सुथरा रखें. हमेशा घर को व्यवस्थित रखें, चीजों को इधर-उधर बिखरा कर न छोड़ें. यदि आपके घर के किसी कोने को फिर से बनवाने या मरम्मत कराने की जरूरत है, तो उस स्थान पर नारंगी रंग की किसी चीज का प्रयोग करें. बच्चों के कमरे की पेंट करवाते वक्त यह फैसला उन्हें ही करने दें कि वे अपने कमरे में किस प्रकार का रंग करवाना चाहते हैं. बच्चों का अंतर्ज्ञान काफी मजबूत होता है. हमें उसे अनदेखा नहीं करना चाहिए.